



तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख Date of Issue	:	30 जनवरी, 2015 30 January, 2015
मूल्यवर्ग Denomination	:	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक-टिकटें Stamps Printed	:	5.0 लाख 0.5 Million
मिनिचर शीट Miniature Sheet	:	2.0 लाख 0.2 Million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	:	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास हैं।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00

Swachh Bharat

India is an emerging economic powerhouse and a global leader and continues to be one of the largest economies in the world with a GDP projected to grow by 6.5 percent by the end of 2015. India has also become the fourth largest energy consumer in the world. This rapid growth and the accompanying increase in greenhouse gas emissions raise national concerns about climate change. It becomes even more important for us to take immediate remedial action because future generations will also be affected by these decisions and the extent to which these issues have been addressed. They would be required to deal with environmental risks, depletion of resources, the loss of biodiversity and radioactive wastes etc.

Urban lifestyles have a huge impact on the environment. Our lifestyles have large carbon footprints which affect the climate adversely. Everything we do, ranging from taking a flight to just having a cup of coffee, requires energy which usually comes from combustion of fossil fuels. Thus, every action has a carbon footprint associated with it. Therefore, it is of utmost importance that carbon emissions are assessed and measures to promote a greener low carbon lifestyle are devised and followed.

Beyond carbon concerns, other challenges including land use, transportation bottlenecks, and local air pollution are strong drivers for diversification of supply away from conventional sources of energy like coal, especially through renewable energy. While the regulatory authorities continue to play their role, programmes that are community based are required to be put in place to deal with the situation we find ourselves in. These will help the community as a whole to understand local issues and take necessary initiatives to improve the local environmental conditions and come-up with locale-specific initiatives to improve the surrounding environmental conditions.

Sanitation is now universally recognized as a major proximate determinant for health indicators. The impacts on human health of poor sanitation and unhygienic practices is significant. Waterborne diseases and intestinal infections that are among leading causes of

malnutrition, illness and death are often related to poor sanitation. The challenge that India, with its large population, size & different hydro-geological regions faces in the area of sanitation, is enormous.

On 2nd October, 2014 the Swachh Bharat Mission, a mass movement, that sought to create a Clean India was launched. Cleanliness was very close to Mahatma Gandhi's heart and it was felt that a clean India was the best tribute that could be paid to Gandhiji when we celebrate his 150th birth anniversary in 2019. While launching the Swachh Bharat Mission the Prime Minister of India urged everyone to devote at least hundred hours every year, that is two hours every week, towards cleanliness. The Mission seeks to achieve an Open Defecation Free India by 2nd October, 2019. This involves providing access to toilets to all households and also making adequate arrangements for Solid and Liquid Waste Management. The Swachh Bharat Mission has two sub-missions – Swachh Bharat Mission (Gramin) and Swachh Bharat Mission (Urban).

The Department of Posts organised an All India stamp design competition on the theme Clean India. The designs for the three stamps and the miniature sheet, the First Day Cover, and Brochure on the theme Swachh Bharat have been based on the shortlisted entries. Three best entries were also awarded prizes.

Department of Posts is pleased to release a set of 3 Commemorative Postage Stamps on 'SWACHH BHARAT' on the occasion of martyrdom day of Mahatma Gandhi on 30th January 2015.

Credits:-

Text	: Based on the material received from Ministry of Drinking Water & Sanitation and internet.
Stamp/FDC/ Miniature Sheet	: Sankha Samanta (based on selected entries including, those by M. Vaibhav Shenoy, Ankita De, Jenwin Baby, Dr. K.S.Bharanija, J. Sreeramulu and Manandeep K. Sondh, received through All India Stamp design competition)
Cancellation	: Alka Sharma

स्वच्छ भारत

भारत एक उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति और वैश्विक स्तर का अग्रणी देश है। हमारी अर्थव्यवस्था विश्व की विशालतम अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और अनुमान है कि 2015 के अंत तक हमारे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश भी बन गया है। इस तेज विकास और इसके साथ ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में हुई वृद्धि के कारण जलवायु परिवर्तन को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर चिंता भी उत्पन्न हुई है। इस दिशा में तत्काल सुधार की कार्रवाई करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इन निर्णयों से हमारी भावी पीढ़ियां भी प्रभावित होंगी, जिन पर इस बात का भी असर पड़ेगा कि हम इन समस्याओं से किस सीमा तक निपटने में कामयाब रहते हैं। अन्यथा आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण से जुड़े जोखिमों, संसाधनों और जैव-विविधता के समाप्त होने और रेडियोधर्मी कचरे आदि की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

शहरी जनजीवन का पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। हमारी जीवनशैली ऐसी है कि हमारे कार्बन फुटप्रिंट जलवायु को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करते हैं। विमान यात्रा से लेकर एक कप कॉफी पीने तक के हमारे सभी कार्यकलापों के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जो जीवाश्म ईंधन के दहन से प्राप्त होती है। इस प्रकार, सभी कार्यकलापों का कार्बन फुटप्रिंट होता है। अतः, यह अत्यंत आवश्यक है कि कार्बन उत्सर्जन का आकलन किया जाए और कार्बन के कम उपयोग पर आधारित पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली को अपनाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के उपाय किए जाएं।

कार्बन उत्सर्जन की समस्याओं के अतिरिक्त भूमि प्रयोग, परिवहन की दिशा में आने वाली रूकावटें तथा स्थानीय वायु प्रदूषण जैसी अन्य चुनौतियां भी हैं, जो विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से कोयले जैसे ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों के अतिरिक्त अन्य स्रोतों को अपनाने का कारण प्रस्तुत करती हैं। हालांकि नियामक निकाय अपना कार्य कर रहे हैं, परंतु वर्तमान परिस्थिति से निपटने के लिए समुदाय आधारित कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने की भी आवश्यकता है। इससे समस्त समाज को स्थानीय मुद्दों को समझने और स्थानीय पर्यावरण में सुधार करने के लिए अपेक्षित उपाय करने के साथ-साथ आस-पास के पर्यावरण में सुधार हेतु स्थानीय जरूरतों के अनुसार कदम उठाने में मदद मिलेगी।

स्वच्छता को अब सर्वमान्य रूप से स्वास्थ्य सूचक का प्रमुख निर्धारक तत्व स्वीकार किया जाता है। स्वच्छता के अभाव व गंदगी के कारण मनुष्य के स्वास्थ्य पर गहरा प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जल-जनित रोग और आर्तों का संक्रमण कुपोषण, बीमारी व मृत्यु के प्रमुख कारण हैं, जो

सामान्यतः साफ-सफाई के अभाव के कारण होते हैं। विशाल जनसंख्या, आकार तथा विविध जल-भूगर्भीय क्षेत्रों के कारण स्वच्छता के क्षेत्र में भारत के समक्ष कड़ी चुनौती है।

02 अक्तूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन नामक एक जन आंदोलन शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य स्वच्छ भारत का निर्माण करना है। स्वच्छता महात्मा गांधी को अत्यंत प्रिय थी और यह अनुभव किया गया कि वर्ष 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छ भारत, उनके प्रति अर्पित की जाने वाली सर्वश्रेष्ठ श्रद्धांजलि होगी। स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत करते हुए भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने सभी नागरिकों को इस बात के लिए प्रेरित किया कि वे वर्ष भर में कम से कम सी (100) घंटे अर्थात् दो (2) घंटे प्रति सप्ताह स्वच्छता को समर्पित करें। इस मिशन के अंतर्गत 2 अक्तूबर, 2019 तक भारत को खुले में शौच की समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत सभी घरों में शौचालय की व्यवस्था के साथ-साथ ठोस (सॉलिड) व तरल (लिक्विड) अपशिष्ट प्रबंधन की पर्याप्त व्यवस्था करने का कार्य भी शामिल है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत दो लघु मिशन भी हैं—स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)।

डाक विभाग ने स्वच्छ भारत विषय पर एक अखिल भारतीय डाक-टिकट डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया। तीनों डाक-टिकटों के डिजाइन तथा मिनियेचर शीट, प्रथम दिवस आवरण और स्वच्छ भारत विषय पर सूचना विवरणिका, इसी प्रतियोगिता की सूचीबद्ध प्रविष्टियों पर आधारित हैं। सर्वश्रेष्ठ तीन प्रविष्टियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

डाक विभाग, 30 जनवरी, 2015 को महात्मा गांधी के शहीदी दिवस पर स्वच्छ भारत विषय पर 3 स्मारक डाक-टिकटों का सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :-

मूलपाठ	: पेयजल तथा स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार तथा इंटरनेट से प्राप्त सामग्री पर आधारित।
डाक-टिकट/प्रथम दिवस आवरण/मिनियेचर शीट	: शंख सामंत (अखिल भारतीय डाक-टिकट डिजाइन प्रतियोगिता के माध्यम से प्राप्त प्रविष्टियों में से, एम. वैभव शिर्नीय, अंकिता डे, जेनविन बेबी, डॉ. के. एस. भरनिजा, जे. श्रीरामुलु और मननदीप के, सौंदर्य की घयनित प्रविष्टियों पर आधारित)।
विरूपण	: अलका शर्मा